

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी खानपुर जिला झालावाड़
(पीठासीन अधिकारी - श्री प्रगोद कुमार सिंघव आर.ए.एस.)

मिसल नं० 901/दावा/2017
(पूर्व मि० नं० 740/13)
दायरा 25/09/2013

उनवान

भंवरसिंह पुत्र जगन्नाथसिंह जाति राजपूत नि० नयागांव अहेडियान तह० खानपुर
— वादीगण

बनाम्

1. भंवरसिंह पुत्र भैरूसिंह जाति राजपूत निवासी नयागांव ठाकुरान तह० खानपुर
2. घनश्याम पुत्र भैरूसिंह जाति राजपूत निवासी नयागांव ठाकुरान तह० खानपुर
3. रणजीतसिंह पुत्र लालसिंह जाति राजपूत नि० नयागांव ठाकुरान तह० खानपुर
4. सुलतानवाई वेवा शंकरसिंह जाति राजपूत नि० नयागांव ठाकुरान तह० खानपुर
5. मोहनवाई पुत्री शंकरसिंह जाति राजपूत निवासी नयागांव ठाकुरान तह० खानपुर
6. प्रेमवाई पुत्री शंकरसिंह जाति राजपूत निवासी नयागांव ठाकुरान तह० खानपुर
7. भंवरवाई पुत्री शंकरसिंह जाति राजपूत निवासी नयागांव ठाकुरान तह० खानपुर
8. कमलकुमार पुत्र हरीशचंद्र जाति राजपूत निवासी नयागांव ठाकुरान तह० खानपुर
9. राजस्थान राज्य जर्ज्ये तहसीलदार खानपुर

— प्रतिवादीगण

राजस्व वाद अन्तर्गत धारा 88, 89, 91, 92ए, 188 आर.टी.एक्ट 1955


उपस्थित:- श्री ओमप्रकाश धनौलिया एडवोकेट -वादी

निर्णय

दिनांक 13/11/2019

वाद-पत्र के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं। वादी ने जर्ज्ये अधिवक्ता एक वाद अन्तर्गत धारा 88, 89, 91, 92ए, 188 आर.टी.एक्ट 1955 के तहत इस आशय का प्रस्तुत किया है कि ग्राम वैसार की जमावंदी सं० 2020-23 की खाता सं० 196 पर 2026/333, 396 की 1.15 बीघा, 2027/333-396 की 1.08 बीघा, 1292/333 की 7.04 बीघा, 1893/333 की 2.01 बीघा, 1696/388-389 की 17.07 बीघा, 2039/388 की 3.05 बीघा, 1471/344 की 0.11 बीघा, 303 की 8.10 बीघा 8 कित्ता की 42.01 बीघा लक्ष्मणसिंह पुत्र कान्हसिंह जाति राजपूत निवासी नयागांव ठाकुरान के खाते एवं कब्जे काश्त की थी। लक्ष्मणसिंह की मृत्यु 1969 में सेटलमेंट से पहले हो गयी थी, लेकिन फौती इंतकाल तस्दीक नहीं हुआ। ग्राम पंचायत सूमर ने लक्ष्मणसिंह का इंतकाल नं० 96 दि० 23.10.73 को वारीसान 3 पुत्र लालसिंह, घनसिंह, शंकरसिंह के नाम तस्दीक किया है। तीनों वारीसान ने आपस में मिल बैठकर मौखिक पारिवारिक समझौता कर लिया तथा घनसिंह के हिस्से में ख० नं० 1696/388-389 की 17.07 बीघा में से दक्षिणी दिशा वाली 13 बीघा आराजी आयी। घनसिंह ने अपने हिस्से में आने वाली आराजी पर

[1]


उपखण्ड अधिकारी
खानपुर जिला झालावाड़
(राजस्थान)



दिशा वाली 13 बीघा आराजी आयी। धनसिंह ने अपने हिस्से में आने वाली आराजी पर कब्जा प्राप्त किया वो उस पर काश्त की। धनसिंह ने अपने हिस्से में आने वाली आराजी ख0नं0 1696/388-389 की 17.07 बीघा में से 7.00 बीघा आराजी दक्षिण दिशा वाली 1200/- रू0 में वादी को बैचान करके रजिस्ट्री वादी के हक में करवाकर कब्जा दे दिया। इस कय शुद्धा आराजी पर वादी का बैचान की तारीख से आज तक कब्जा बिना किसी रूकावट के ऐलानिया चला आ रहा है। इस वर्ष भी वादी ने खरीफ में सोयाबीन की फसल बोई है। असल विकय पत्र दि0 19.02.1971 संलग्न है। वादी को ज्ञान नहीं होने के कारण खरीदी गयी आराजी का नामान्तकरण तस्दीक नहीं हो सका। इस दौरान खानपुर तहसील में सेटलमेंट आ गया वो सेटलमेंट के पश्चात भी वादी द्वारा खरीदी गई आराजी लक्ष्मणसिंह के तीनों पुत्रों के नाम दर्ज कर दी। साविक आराजी ख0नं0 1696/388-389 की 17.07 बीघा का नया नं0 1538 रकबा 14.06 बीघा बना है। आराजी का जब बैचान हुआ तब संयुक्त खातेदार लालसिंह, शंकरसिंह ने कोई आपत्ति नहीं की तथा इस तथ्य को भली भांति जानते थे कि इस 7.00 बीघा दक्षिण दिशा वाली आराजी का बैचान वादी को किया गया है तथा कब्जा दे दिया है। आराजी पर काश्त करने पर लालसिंह व शंकरसिंह ने कभी कोई आपत्ति नहीं की। खातेदार लालसिंह व शंकरसिंह फौत हो गये हैं इनके वारीसान को वाद में पक्षकार बनाया गया है। प्रति0 नं0 8 कमलकुमार का कब्जा ख0नं0 333 की 1.10 बीघा, 356 की 0.15 बीघा, 374 की 1.11 बीघा, 376 की 0.11 बीघा, 381 की 3.01 बीघा पर है। खातेदारों का इस आराजी पर कब्जा नहीं है। बैनामें का इंतकाल नहीं खुलने के कारण प्रति0 नं0 8 कमल अन्य प्रतिवादीगण के साथ मिलकर बैचान की आड़ में वादी द्वारा खरीदी गयी आराजी ख0नं0 375 रकबा 14.06 बीघा में से 7.00 बीघा दक्षिण दिशा वाली पर कब्जा करने पर आमादा है। खातेदार लालसिंह, शंकरसिंह, धनसिंह की मृत्यु के पश्चात आराजी उनके उत्तराधिकारियों के नाम दर्ज की गयी है। धनसिंह के कोई औलाद व पत्नि नहीं होने से उसके खाते की आराजी उसके भाईयों के बेटों के नाम दर्ज कर दी गई है। प्रति0 1 लगा0 7 ने ख0नं0 1538 की 14.06 बीघा आराजी प्रति0 कम 8 को बैचान कर रजिस्ट्री करवा दी, जबकि केता कमल कुमार को यह ज्ञान था कि इसमें से 7.00 बीघा आराजी का पूर्व में वादी को बैचान हो चुका है, इसके बाद प्रति0 नं0 8 ने यह आराजी खरीदी है। इस विकय के बाद कमलकुमार का नाम आराजी ख0नं0 1538 की 14.06 बीघा में दर्ज हो गया, किन्तु कमलकुमार का इस आराजी पर कब्जा नहीं है। कब्जा वादी का ही चला आ रहा है। प्रतिवादीगण ने पूर्व में बैचान हो चुकी आराजी का पुनः बैचान किया है जो अवैद्ध व शून्य है, जिसका वादी के काश्तकारी अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। यह आराजी पहले ग्राम बैसार में थी तथा ग्राम नयागांव ठाकरान ग्राम बैसार में सम्मिलित था, लेकिन राज्य सरकार के आदेश से ग्राम बैसार से ग्राम नयागांव ठाकरान अलग कर दिया गया तथा ख0नं0 1538 रकबा 14.06 बीघा का नया नम्बर 375 रकबा 14.06 बीघा दर्ज किया गया। नकल जमाबंदी सं0 2052-55 पेश है। इसी जमाबंदी में प्रति0 नं0 8 के नाम ख0नं0 1538 की 14.06 बीघा का इंतकाल प्रतिवादी नं0 8 के नाम दर्ज करने का अंकन है। जब प्रति0 8 ने आराजी को खरीदा उस वक्त भी प्रतिवादी नं0 8 यह जानता था कि इस आराजी में से लगभग 7.00 बीघा आराजी वादी को बैचान की हुई है तथा कब्जा वादी का है, फिर भी उसने इस आराजी को खरीद लिया। प्रति0 1, 2, 3 ने करीब 8 माह पूर्व वादी के खाते व कब्जे की आराजी पर आये तथा वादी को आराजी से बेदखल करने की धमकी देने लगे तथा प्रतिवादीगण ने पुलिस से मिलकर एक झूठा मुकदमा भी वादी के विरुद्ध पुलिस थाना खानपुर दर्ज

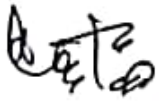
करवा दिया ताकि वादी डरकर आराजी का कब्जा प्रतिवादीगण को देदे। वादी दि० 19.02.1971 से ही उसके द्वारा खरीदी गयी आराजी का कानूनी रूप से खातेदार टीनेंट हो गया है लेकिन जमाबंदी में नाम नहीं होने के कारण प्रतिवादीगण, वादी को परेशान कर रहे हैं तथा गैर कानूनी रूप से वादी को आराजी से वेदखल करना चाहते हैं। आराजी पर वादी का पिछले 42 वर्षों से लगातार बिना किसी रुकावट के ऐलानिया शांतिपूर्वक कब्जा चला आ रहा है। वाद का कारण दि० 05.09.13 को उत्पन्न हुआ है।

अतः वाद पेश कर निवेदन है कि वाद, वादी मय खर्चा प्रतिवादीगण के विरुद्ध डिक्री फरमाया जावे कि आराजी पुराना ख०नं० 1696/388-389 रकबा 17.07 बीघा ग्राम वैसार, आराजी का पुराना ख०नं० 1538 की 14.06 बीघा तथा ग्राम नयागांव ठाकरान की ख०नं० 375 की 14.06 बीघा में से दक्षिण दिशा वाली 7.00 बीघा आराजी का वादी को खातेदार टीनेंट घोषित किया जावे और तदनूसार वादी को आराजी का संयुक्त खातेदार घोषित किया जावे। साथ ही प्रतिवादीगण 1 लगा० 8 को स्थायी निषेधाज्ञा से पाबन्द फरमाया जावे कि वो आराजी ख०नं० 375 की 7.00 बीघा दक्षिण दिशा वाली में बेजा मदाखलत व बेजा मजाहगत नहीं करें और वादी को आराजी से गैर कानूनी रूप से वेदखल नहीं करें।

वाद दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जर्जे सम्मन तलब किया गया। प्रति०नं० 9 के वावजूद सूचना के उपस्थित नहीं होने पर इसके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लायी गयी। प्रतिवादीगण 1 लगा० 8 की ओर से श्री वृजसुन्दर शर्मा एडवोकेट द्वारा वकालतनामा पेश कर जवाबदावा का अवसर चाहा गया किन्तु दिनांक 23.10.13 से 20 से भी अधिक अवसर के बाद भी जवाबदावा पेश नहीं किये जाने से प्रतिवादीगण का जवाबदावा बंद किया गया तथा अधिवक्ता वादी को साक्ष्य पेश करने का अवसर दिया गया। अधिवक्ता वादी ने वाद के समर्थन में वादी भंवरसिंह, गवाह भंवरसिंह, कजोड़ के बयान दर्ज कराये एवं दस्तावेज Exp1 लगा० Exp1 प्रदर्श कराये गये। वहीं दिनांक 07.03.2019 को प्रतिवादी एवं उनके अधिवक्ता के न्यायालय में उपस्थित नहीं होने पर इनके विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की गयी। तत्पश्चात अधिवक्ता वादी की बहस सुनी गयी।

विद्वान अधिवक्ता वादी ने अपनी एक पक्षीय बहस में वाद-पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुये प्रकट किया कि ग्राम वैसार में खाता सं० 196 पर 8 किता की 42.01 बीघा लक्ष्मणसिंह पुत्र कान्हसिंह जाति राजपूत निवासी नयागांव ठाकरान के खाते की थी। इसकी मृत्यु पर इंतकाल नं० 96 दि० 23.10.73 को इसके 3 पुत्रों लालसिंह, धनसिंह, शंकरसिंह के नाम तस्दीक हुआ है। इनके बीच पारिवारिक समझौते के अनुसार धनसिंह के हिस्से में ख०नं० 1696/388-389 की 17.07बीघा में से दक्षिणी दिशा वाली 13 बीघा आराजी आयी। धनसिंह ने दि० 19.02.1971 को अपने हिस्से में आने वाली आराजी ख०नं० 1696/388-389 की 17.07 बीघा में से 7.00 बीघा आराजी दक्षिण दिशा वाली 1200/- रू० में वादी को वैचान करके रजिस्ट्री वादी के हक में करवाकर कब्जा दे दिया। सेटलमेंट होने पर इस आराजी के नये नं० 1538 रकबा 14.06 बीघा बने हैं तथा राज्य सरकार के आदेश से ग्राम वैसार से ग्राम नया गांवठाकरान अलग करने पर इस आराजी का नया नम्बर 375 रकबा 14.06 बीघा बना है। खातेदार लालसिंह, धनसिंह, शंकरसिंह के फौत हो जाने पर यह आराजी प्रति०नं० 1 लगा० 7 के खाते दर्ज हुयी है। प्रति० 8 को उक्त आराजी के पूर्व में वैचान का ज्ञान होने के बाद भी प्रति० नं०

[3]


उपखण्ड अधिकारी
आजपुर जिला झालावाड़
(राजस्थान)



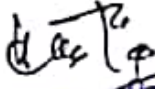
1 लगा0 7 ने इसका वैचान पुनः प्रति0 नं0 8 को कर दिया किन्तु प्रति0 नं0 8 का इस आराजी पर कब्जा नहीं है। इस आराजी पर कय दिनांक से आज तक बिना किसी रूकावट के वादी का ऐलानिया कब्जा चला आ रहा है। इस वर्ष भी वादी ने खरीफ में सोयाबीन की फसल बोई है। प्रति0 नं0 8 इस गैर कानूनी वैचान के आधार पर वादी को अपनी कय शुद्धा आराजी से जवरन वेदखल करना चाहता है जिसका उसे कोई अधिकार नहीं है। वादी ने सहःखातेदार से पंजीकृत वैनामें से आराजी कय कर कब्जा आराजी प्राप्त किया है। हमने राजस्व रेकार्ड की नकलें पेश की हैं तथा गवाहान के बयान कराये है, जिससे हमारा दावा साबित है। वहीं प्रतिवादीगण ने पर्याप्त अवसर के वाद भी न तो जवाबदावा पेश किया है, न कोई साक्ष्य पेश किया है और न्यायालय में भी उपरिथत नहीं हुये हैं, जिससे इनके विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही हुई है। इससे भी यही प्रकट होता है कि प्रतिवादीगण को हमारे वाद पर कोई आपत्ति नहीं है। अतः हमारा दावा डिकी करें तथा वादी को ग्राम नयागांव ठाकरान की ख0 नं0 375 की 14.06 बीघा में से दक्षिण दिशा वाली 7.00 बीघा आराजी का वादी को खातेदार टीनेंट घोषित किया जावे।

हमने पत्रावली का अधोपांत अध्ययन किया एवं विद्वान अधिवक्ता वादी की बहस पर मनन किया। Exp1 ग्राम वैसार जमावंदी सं0 2020-23 है जिसमें खाता सं0 196 पर 8 किता की 42.01 बीघा लक्ष्मणसिंह पुत्र कान्हसिंह जाति राजपूत निवासी नयागांव ठाकरान के खाते दर्ज है। Exp2 मृतक खातेदार लक्ष्मणसिंह का फौती इंतकाल नं0 96 दि0 23.10.73 है, जो मृतक के 3 पुत्रों लालसिंह, धनसिंह, शंकरसिंह के नाम तस्दीक हुआ है। Exp3 पंजीकृत वैनामा दिनांक 19.02.1971 है, जिसके अनुसार धनसिंह ने दि0 19.02.1971 को अपने हिस्से में आने वाली आराजी ख0 नं0 1696/388-389 की 17.07 बीघा आराजी में से 7.00 बीघा दक्षिण दिशा वाली 1200/- रू0 में वादी को वैचान करके रजिस्ट्री वादी के हक में करवाकर कब्जा दिया है। Exp4 सेटलमेंट द्वारा तैयार किया गया ग्राम वैसार का मिलान खसरा है, जिसके अनुसार साविक ख0 नं0 1696/388-389 की 17.07 बीघा ने के नये नं0 1538 रकवा 14.06 बीघा बने हैं तथा Exp5 जमावंदी सं0 2035-38 में खाता सं0 257 पर 9 किता की 41.15 बीघा के मिन्जुमले लालसिंह, धनसिंह, शंकरसिंह पिता लक्ष्मणसिंह कौम राजपूत के खाते दर्ज हुई है। Exp6 जमावंदी सं0 2052-55 खाता सं0 73 ग्राम नयागांव ठाकरान की 8 किता रकवा 33.14 बीघा की है, जो राज्य सरकार के आदेश से ग्राम वैसार से ग्राम नया गांवठाकरान अलग होने पर बनी है तथा इसके अनुसार पूर्व ख0 नं0 1538 रकवा 14.06 बीघा का नया खसरा नम्बर 375 रकवा 14.06 बीघा बना है तथा यह खातेदार भैरुसिंह, रणजीतसिंह पुत्र लालसिंह हि0 1/3, धनसिंह पुत्र लक्ष्मणसिंह हि0 1/3, सुलतानवाई वेवा शंकरसिंह मोहनवाई, प्रेमवाई, भंवरवाई पुत्रियां शंकरसिंह हि0 1/3 हि0 ब0 से खाते दर्ज है, जो प्रति0 नं0 1 लगा0 7 है। Exp7 ग्राम वैसार का नामा0 सं0 717 है जिससे खातेदार धनसिंह के लाओलाद फौत होने पर खाते से नाम खारिज हुआ है। Exp8 ग्राम वैसार का नामा0 सं0 727 है, जिसमें खातेदारान द्वारा दि0 12.06.96 को ख0 नं0 1538 रकवा 14.06 बीघा आराजी का जर्गे रजिस्टर्ड वैनामा से वैचान होने पर कंता कमलकुमार पुत्र हरिशचंद्र जाति महाजन निवासी खानपुर के नाम दर्ज करने का आदेश हुआ है। Exp10 जमावंदी सं0 2068-71 ग्राम नयागांव ठाकरान की खाता सं0 16 है जिसमें 6 किता की 25.15 बीघा आराजी के मिन्जुमले ख0 नं0 375 की 14.05 बीघा आराजी कमलकुमार पिता हरीशचंद्र जैन(महाजन) निवासी खानपुर के खाते दर्ज है।

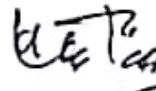


उपरोक्त विवेचन के अनुसार जब खातेदार ग्राम बैसार की साविक ख0नं0 1696/388-389 नये ख0नं0 1538 की 17.07 बीघा तथा ग्राम नयागांव ठाकरान की ख0नं0 375 की 14.06 बीघा आराजी में से 7.00 बीघा दक्षिण दिशा वाली आराजी का 1200/- रू0 में दिनांक 19.02.1971 वादी भंवरसिंह पुत्र जगन्नाथसिंह को बैचान करके रजिस्ट्री वादी के हक में करवाकर आराजी का कब्जा दे चुके हैं और इस आराजी में से अपना अधिकार समाप्त कर चुके थे तो खातेदारान को दि0 12.06.96 को ख0नं0 1538 रकवा 14.06 बीघा हाल ख0नं0 375 रकवा 14.05 बीघा आराजी ग्राम नयागांव ठाकरान का अमलकुमार महाजन को पुनः बैचान करने का कोई अधिकार नहीं था और यह बैचान वादी/पूर्व केता के अधिकारों की सीमा तक प्रारंभतः ही शून्य है। प्रतिवादीगण ने पर्याप्त अवसर के बाद भी जवाबदावा पेश नहीं किया है और जानबूझकर न्यायालय में उपस्थित नहीं हुये हैं। इससे भी यही प्रकट होता है कि यह वादी के बाद से सहमत हैं। वहीं वादी ने अपने वाद के समर्थन में स्वयं एवं गवाहान भंवरसिंह पुत्र रघुनाथसिंह राजपूत उम्र 75 वर्ष, कजोड़ पुत्र फत्ता बैरवा उम्र 74 वर्ष के बयान कराये हैं तथा राजस्व रेकार्ड की नकलें पेश की हैं, जिनसे वादी का वाद बखूबी साबित है। ऐसे में वादी कय शुद्धा आराजी को अपने खाते दर्ज कराने एवं प्रतिवादीगण के विरुद्ध स्थाई निषेधाज्ञा प्राप्त करने का अधिकारी है।

अतः वाद, वादी स्वीकार किया जाकर डिकी किया जाता है तथा ग्राम नयागांव ठाकरान की जमाबंदी सं0 2068-71 की खाता सं0 16 की 6 कित्ता रकवा 25.15 बीघा में स्थित ख0नं0 375 रकवा 14.06 बीघा में से दक्षिण दिशा की तरफ की 7.00 बीघा आराजी का वादी भंवरसिंह को खातेदार टीनेंट घोषित किया जाता है। यह आराजी प्रति0नं0 8 के खाते से कम हो। साथ ही प्रति0नं0 1 लगा0 9 को जयें स्थाई निषेधाज्ञा से पाबंद किया जाता है कि वह वादी की कय शुद्धा आराजी ख0नं0 375 की 7.00 बीघा दक्षिण दिशा वाली में बेजा मदाखलत व मजाहमत नहीं करें और आराजी से वादी को गैर कानूनी रूप से वेदखल नहीं करें। बैंक रहन का अंकन प्रति0नं0 8 की शेष आराजी पर ही रहेगा। राजस्व रेकार्ड में अमल दरामद हो। खर्चा फरीकेन अपना-अपना वहन करेंगे। इस आशय का डिकी पर्चा जारी हो। पत्रावली निर्णय में शुमार होकर नम्बर से कम हो तथा वाद तामील तकमील दाखिल दफतर हो।


उपखण्ड अधिकारी
दानपुर जिला झारखण्ड
(राजस्थान)

निर्णय आज दिनांक 13/11/2019 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।


उपखण्ड अधिकारी
दानपुर जिला झारखण्ड
(राजस्थान)

